

DPN 5837

Title : स्वयंभुचैत्य भट्टारक स्तोत्र व चचा सप्
SVAYAMBHU CAITYA BHATTĀRAKA STOTRA VA CACĀ SAPHĪ

Run. No. 6528

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र व चचा / Hymn & Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / ^{संस्कृत} Sandhya bhāṣā

Size in cms. 15.2 x 6.5 Folios 19 Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator प्रतापमल्ल

Scribe / donor

शरद कसा: , थयुमद्

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Sharad Kasa: , Thuyamadu

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyāsaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

स्वयंभुचैत्य भट्टारक (राज) कविद्रु जय प्रताप मल्ल देव । विचित्रं
स्वयंभु चैत्य भट्टारक (राज) कविद्रु जय प्रताप मल्ल देव ॥ ॥

सा हो गं का ग क ट कि या ग ला गु ले ना ग क ण ले वा जी मं ॥
थि मा लो मं कुं द कुं द म म धू ल म धू क वि का सी गं मं लि का शी म क म न दा न
या गी जान स ना कु ले वि वि धि सो च रा म न ग मा रू ग किं व ध नि य बु ली गं म द
ल दं द या न वि म द म धू क न हं कि गं दू म दि गं ॥ ॥ व कू व ना व य
ना म किं ग क क किं का व क क वि गं स ह व सा व ल सा ड क व म व क व व न

व कू व ना व य

जाकिना श्रुतुलुगुलु ल्गगवगक रुदिलसिं सिय सा रीगं दलिदन
दियन सना वग विरुयुव कयूली गं॥

॥कदलिवदली रुंम्

खरुनदा कयायिवग्गिगं नालिकं वक यिगशी रुल्लिनिविका दिहि
साहिगं विलावोव क रं व वृल्म दन केष्ठ किना पीतं कि व वंश्चका दि
नगिं डेल नी नीली गन वायिगं॥

॥गुगुललस वाकना रुमि

धं श्री धाठ समूख बंश कशी रुम निवु वद्विगं मरु माध व कलं वं दुका
गि सुगी गवंश्च नि शुच्यका गि समूख रं गं न मामि ५॥

रुल्ल सुम विवृल इव क रुव दिवु विधाय कं रुक व रु रु व रु दानं वसि
दि साध सुस विग ॥ करु काल नयाय मंश्च ले रुयि न रुन मालिगं ॥ वं
न मामि ५॥

॥कं श्री वंश्चनया क सा सनं कम वंश्चनका न नं रुयत्र

यकः सायकः वकः लिफः लकः वकिः गंविश्वः वयिनिः वयनिः सुवः सविकाः
नकाः लनं॥ गंतमासि॥ ॥ गगुङ्गुकः मगुमं गिगं यङ्गयूङ्गकः वकिः
गं॥ गगुङ्गुकः मगुमं गिगं यङ्गयूङ्गकः कावकं॥ शृङ्गिनासिः शृङ्गीकालः दिवः
नादिकः कावकं॥ गंतमासि॥ ॥ धामः लयः यसिद्धिः मकः कः
कः मनिवालिः गं गं लमादः कसिद्धिः विं गिगमिः स मातः सवकिः गं॥ दहः सु

नदहः दहः दहः दहः दहः दहः निवः सिगं॥ गंतमासि॥ ॥ ॥ शारः माहः
यमूवः वकिः गं शारः माहः नकाः लनं॥ लनकाः लनः कलनाः लकः नादः द्रुं द्रुकिः वि
गिगं॥ वधूः वकिः गं वधूः यं द्रुिगं वधूः शयनीः नामयं॥ गंतमासि॥ ॥
वीरुधः सं रनः नयूवः वकिः गं वधूः मायैकः मं चकं॥ शीः शुधः कालः नकाः वनाः ग
कमायीनं गममायीनं॥ आदिमः उमकाः नवकिः गं माकः कालः नुं मं गं॥ गंत
नी

मामि ५॥ ॥ नागलंगिमसंगकालनरंगीमादिककालननाग
लंगिमसंगककालरंगीमादिकवक्तिगंरुं सदाहानयाकसासन्यनग
सनरायिगं॥ गंनमामि ५॥ ॥ शुभिकिवनश्रयासनगंधवा
दानवक्तिगंशामवक्तिगसर्वकालनयलथकवक्तिगंरुंकीमककिद
होमिकालननामधामविनीशुगं॥ गंनमामि ५॥ ॥ यकदशनन

कृगकिगंरुविकादिककावनंशुभिनष्टिप्रमखयवनेशस्वलायवमा
हनंनित्यरुद्धनित्रयसर्वगमदीदाममयंविशु॥ गंनमामि ५॥ ॥
ओवओगगशान्वेधूव्मलदशनकालनं॥ सर्वकालकालनागकका
लनामकलथितं॥ वृद्धेणवजीवनाठककादिकसंखवं॥ गंनमामि ५॥
॥ ॥ नयालयालयगायमज्ञेननिमिगंकि लमशुगंगाशुमृगममृ

कलकलसुखं गुणवंधनं विविधसिद्धिनिधानं शकनं मूकमकीयं दंभी
वं ॥ १ ॥ नरसिमासि विषययां कली मूकमागविजलकं यथागिरुदीरु
मिविमानंदं युगिवा सगंरुलदायकं ॥ विगल्ययसंयदायकं सगसोकसं
युगदंकासकृष्टरंगबा रितियमूखवाधिबदालनं ॥ ॥ नृमि
शीघ्रीमहानाका धीला रुकादिंद रुयगायम लुदववि वं विने सुयंतुवे

एरकावक सेशातं समाक ॥ ॐ ॥ (वागयं चम ॥ कायागल
वचउमिविजयनयाले वदनादादण रुनाकृ ॥ मि मादावा ॥
आवादिगशी लीवृगमलाके स्वदवगुले वधुदने नृयशीन वदुददं ॥
॥ वधं चक्रमनका गा गमनलेलिगायुलि युकिगससल रुयानी गैला
कनाथं ॥ ॥ रुनरुगमि रुनमाकयदागा २ यादयकं रु रु लो

मिसिलसा॥

॥ (नागलेलीन) ॥ अलेनवलनदहसलसिह

संरदशदहीनयामकधलयामकमनधला॥

॥ श्रीवृगमध्वल

अरययदागासखडधालनइगगिरुलनास्वलागगिगानलमाअ

यदागा॥

॥ अमिगारुगालरुलनिमलवदना॥ श्रीरुयलाअध्व

लसुलनलयुक्तिग॥ अवेदनयालीगवेष्टुं नगविगमाधदशीम

मगामूगिधिसनीदाल॥

॥ (नागयवम) ॥ अययनकमनमि

सिनागसंदइगीनाकि कयानिकरुलसिनवदना॥

॥ आलादिन

श्रीवृगमलाअध्वली॥ शुलवधूदंकनृयेशिनलददवे॥

श्रीवृगमध्वलअधिमिरुनाथ॥ रुगगरुयंकलकालरुहिदुया॥

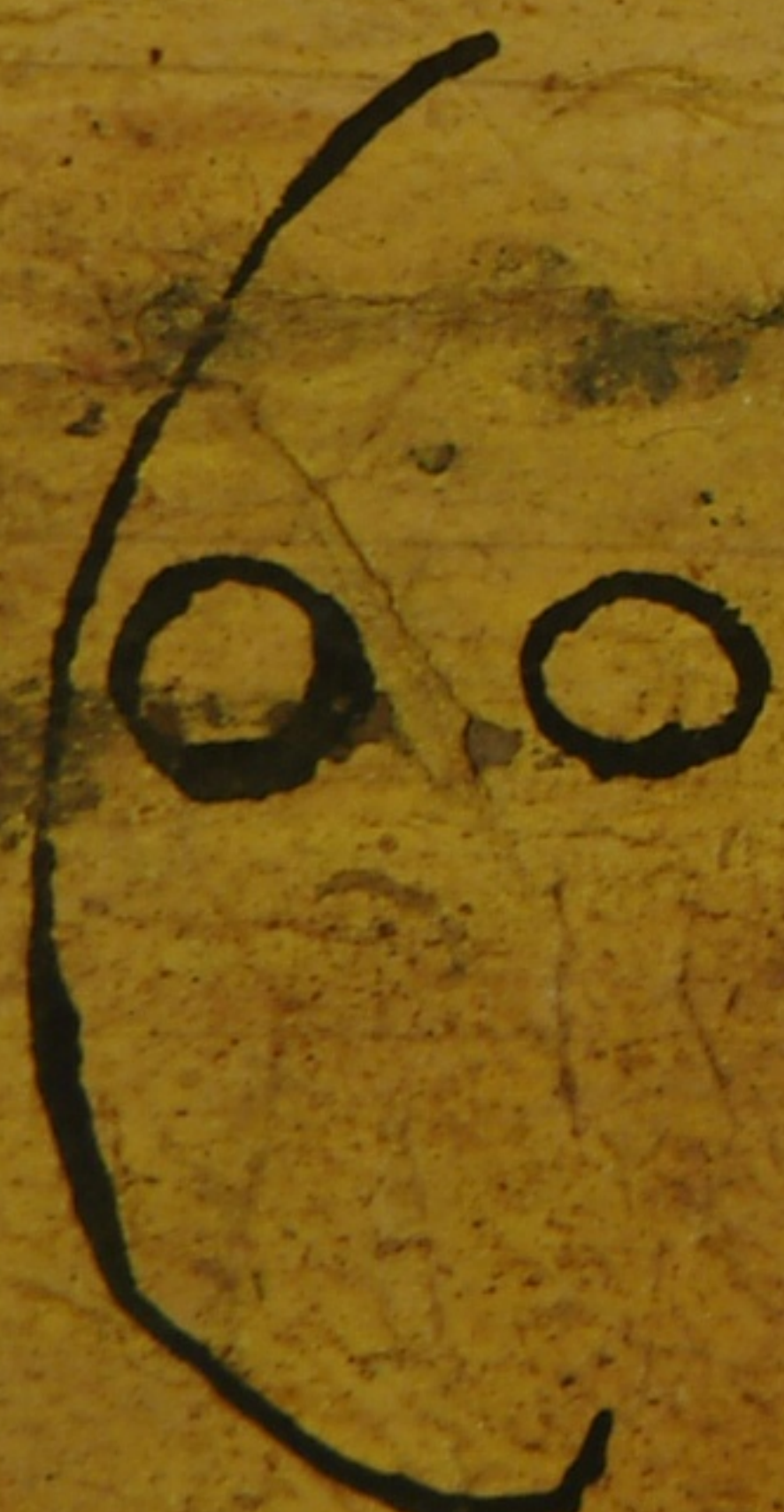
श्रीअमिगारुदसिलगगधलीयामिदगमूलगिगानिवससिखीगा॥

॥ नविगसिदवयसादिल्वरुहवतिशुहजीवकसखग॥ २८॥ ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



मधु निवे ॥

॥ रागवसंत ॥ मधुलीय गीयला हयनीक जाला २ स फलदवदन
वहिनयाद ॥ ६॥ मंगी आदिवृद्धी मंरु कु माला १ लंशु विवन्दि
नयंनृत्य खलं ॥ ६॥ कुं कुं मलयीला गुल यील कीखमा १ गु न्यामं
गौल कलनविया ॥ ६॥ विखयविषम कुल याल गमन सख १ वी
मयियां यिग सीव गुल खय १ ॥ ६॥ सम गुल यल मा विंद

॥ ६॥ १ मावनिगवमिगुधव कली सा ॥ ७ ॥ ७ ॥ ६०५ ॥
॥ रागकर्णुदि ॥ गीदंदा वाय यिक गीनी ददकयादि १ कमल कली स
खं कल कदिया व ॥ ॥ कागीदनी रुक विनू खदहन जिवयी
१ खलाम १ रुचुं वीया ल कमल संकी वयी ॥ ॥ कय रुक गीनी वय
नजाय १ मनी कुल वदिया लडा दिन समाधी ॥ ॥ सा रुह घल

बलकुं यो यमात्ता २ वंदु शुभे इयी मा ग्य यकन रुदा ॥ ॥ ठन
यी च दा ली दम कू दू ल विला २ न ल य ता ली या च ड रु य दू वी ला
॥ ॐ ॥ ॥ रा ग रेल वी ॥ ग ड कि न ड ड दा थ ध ली या कम ल कू ली
स स्रंग वाल २ ठ म ल क ल नि कू थ ल गी शु रा वा म ख वा म क या
ल ध ला ॥ ॥ श्री ली सं घ ला या वा द ली ठ क डें ठ ली ना २ मा ल

+ हृद +
शी ल वा य यी या ल ल मा या २ सा ख दं म ड ली ना ॥ ॥ या ग व कू
मू ड वा म म हा थ ध ली या वू न ल सी ल मा ला २ ती ल ह ली न ली
दि न क न क रु य वू मू ख सु नी वि क ला ल ध ला ॥ ॥ श्री ली रु
य था रु च द वा य यी या ल व का ली ला नी वी ठ मू डा २ वा श्र कू ली स
श्रु ड वं डु ज ना रु न या धु य ल ख म मू डा ॥ ॥ रु नी सं विल वी

लखलनायकानीनीचकुमहावीलंविनाप्रकलनशुभा
लविलंवीलखलठुंजयासयालसंसात

~~सुखमाभंरुनीधायसपुत्रनिमश्रय~~

रुतभाभगानसाहायनभाभगाना
रुतनवलीरुलीवामरुकरुगानंनमिनी
रुनंपलीरुलीवामिन्नवत्रद्वयमपुत्र
यानी

श्रीश्रीमहाताजापाताजकविदजयावरुथाकुत

पुनः संक्षेपेन
(संक्षेपेन)

हेनवी*

उत्तमसंशीयमनुसंधानायानामममधमलमदामधिकनक
चाकिगयुर्वीदिकदाकूवृदियं१ अयलवमयनी डरुलंकुल
उननयंक्रमनयं३३जिनआधियाल॥ ६२ ॥ नमयश्चवृद्वि
वृत्तं गंदिविस्वदिगविष्वरुगयंक्रमलमि१ अष्टदियानलावदस्थि
जिनमानसादलठरयगिमिद्यनद्यालवृत्त॥ ६३ ॥ कामवद

१५२

नस्ययाडयंवाडयदियंयन् उधनं१ स्वसनवाडदिवियवडदिगं
उदनवाडयदियंशीवठयलस॥ ६४ ॥ दिलदवलयाचियनल
लधिलयाचिगसयश्चदलवृदियं१ अवनवाडदिवियसायच
कामनिकूलनिदिनिखिलवदयमि॥ ६५ ॥ गुल्लवलनगिदल
सारगनियलिरावनामनकूसमडरुल्लयलिसयवीयूका१ युन

श्रीमन्

नयलिराजधिसुययलो रुद्रिग रुद्र कुलनिसंगलतमसु रुद्रिगं
॥ ॐ ॥ (वागयनमंजलि) अनिल अनल ऊव जा रुद्रमा ज्यमल
मंभुल वक्रवाया २ व ऊयं कुलसल जालसंयली यविमत्रु मंभुल व
क्रवाया ॥ ॐ ॥ उमल कल यिया रुद्र कल न आलिं गन रुद्र
वाया २ व ऊवा वादि आलिं नन संवल कव यिया ॥ ॐ ॥ रुद्रि

संवलं वोल श्वज रुद्रिं रुद्रिं गद्रिं गद्रिं रुद्र समसान २ अनूद्रगसव
दव व ऊवा द गद्रिं मिल गिरयन संहाव ॥ ॐ ॥ गीनि रुद्र वृ
क्रव क्रवाय सं रुवा ज गी रुद्रन रुद्र व क्रु विलं विवा रुद्रिनि रुद्र वृन
वना रुद्र सादि लरुलिया ऊव का का वा ॥ ॐ ॥ रुद्रिनी संसग रु
ल वलं रुवा रुद्रा दाल लराव रुद्रा व २ ऊवा मवल रुद्र व रुद्र

ॐ

१५८

नकादिहलायमातुअगियसंहाव॥ ७०॥ ॐ॥ (वागनाठ
॥ चक्रवचनशीनीचायनशुद्धी १॥ अष्टदशशुद्धयदलनकिलन
॥ ॐ ॥ उक्तादवीवालनोमहामाकिदवी १॥ गगयमादिलमयध
नसुलाह॥ ॐ ॥ आगमवदयूलानयवान १॥ गधलमादिक्र
गुल्लयदल॥ ॐ ॥ यंश्चवदसुल्लयजंरुक् १॥ सयाचदगीनी

१५९

सा १॥ रुद्रवदुद्रवतं॥ ॐ ॥ गगगुल्लवलनसिचंगगधल
या १॥ रनयिवाकव १॥ सुल्लसुल्लयि॥ ॐ ॥ ॐ॥ (वागश
लवि॥ नमदं १॥ कालनददधल १॥ रुद्रियसवडगामलं॥ ॐ ॥
गनादं १॥ गना १॥ दं १॥ गनागगदं १॥ दं १॥ ॐ ॥ दं १॥ गालि
१॥ गगधलं १॥ व १॥ यं १॥ म १॥ दधलं॥ ॐ ॥ धनलसुसंघन

दहधल १ सलदधु सदिय च वमल ॥ ध्र ॥ मायादह अंशुलं
 १ सादिय सख कल नमदं ॥ ध्र ॥ ॥ वागशुं गाव सा रशी ॥
 वीचक रविशसिमं लमा ज्य धिगि आनंदमल गिधना १ व ऊवाला
 हि आली मर्षु सवे लनाना आलसिमहा जावा ॥ ध्र ॥ गनादं दं
 दं गनादं दं १ गना गना गदं दं दं ॥ ध्र ॥ नीचवधु च उवक यमि

मखणी नग यलमा आनंदमल गिधना १ विज्वव ऊ अद्वव उ ऊन
 नं कूटधला दाद आ एचन विरुषिगा ॥ ध्र ॥ व ऊयं लम डागड
 चर्मदमल खला क विचमा आनंदमल गिधला १ कलगि कयालयल
 धुयाशवक कयाल नीचुंगधलीया ॥ ध्र ॥ दिगं विदिगं काकास्या
 दिऊमदागिदवी सरु जा आनंदमल गीधला नमामि १ धीचक सं

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

विलासगुलनश्रावणीमा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ (वागश्रुदाल ॥
कादश्रुलनकियायिलसंम्वलधवैयिकवायिचरसा १ उकादा
कनमादियामगा १ संकटकभादिगंवाला ॥ ॐ ॥ बलव
मालसंम्वलवाया १ समलसुडलिमालकावा १ दमविलादिनी
वजवावादिहृदामहियालगावा ॥ ॐ ॥ गालीरायननंल

धुदमयन १ कयुलरुदलिगवावा १ गगननिवावर्धुवंडीयकदा
मलसंभुचरवविना ॥ ॐ ॥ गीयंधठयतवूडाहादिललसंम्व
लययिसगिरुनरकावा १ दमविवादिनिद ऊवावादिहृदविद्र
दरवनिश्रुधाला ॥ ॐ ॥ गनकिनिवावर्धुआलियाडमंभुलसग
गुलवलनश्राव १ समयाशानंदरुलियाडलसंम्वलवजवाला

गोदगेदमन

हि॥ ६३ ॥ ॐ ॥ बागलाभा ॥ शादलकमलवदनकम
मलसंल १ मधुकलकलवलीना १ गीविलयाकृणु खदसखदवा
मदनयालय आथिना ॥ ६४ ॥ नसामिनं लात्मादवी गीयु वधमाग
वहलादवी श्रीमगुरु ल १ सयलभुली गुलवद्विगयलनअनग
आदि सीदिवल य आदो ॥ ६५ ॥ ननुनवामिवय नुनवल य अनग

गो

कृष्णमसंया जागवदन १ नुयगंगा समवाभगी नील अनगद्वी थ
भुलकृणु वदन ॥ ६६ ॥ अरु रंलव अरु जागी निदवी अनगदवा
भुलकृणु याल ॥ अरु मकारय इः लीन नील काल व अनगवि धनी
नवालव ॥ ६७ ॥ विभविद्या योत काल नीदवी अययनिल कल जाति
मय १ अरि खेक मुख रु लौ दाय निदवी कल मकल ल उदयाय

श्रीगणेश

लेभलेना ॥ ॐ ॥ रागवलादि ॥ भनभनदाथनालासंधुललाका
निदाथनालाददादकनिदाथनालाकागीनीवदयालवादसीतक
लेदवा ॥ ॥ डंकडसंधुललेलीरुलीनालेजागीनिवदयालवदजध
नसलीकथआलीगनवास्तुसकलसमाय ॥ ॥ यवेवकुविद्रिया
लेदकिनेलेलेविदलीयालेयथिमयप्रयकभलडकलेलेदध

श्रीनारायण

लियाल ॥ ॥ सयनकागरुलाअनिगीयसकगलीयाकयवा
कनिनसंधुललेलीनालेगगनेकददी ॥ ॥ लेयभलेयभवृग
धवेलेमयसन्नीमिलीकाधर्मधाकुदायीकभूयामंधुलवया
गावलेवाहिलयुननदायि ॥ ॐ ॥ रागलासकली ॥ जीनवले
ननयकुवनशीकायातलेनीवासिनीमरमनिनानयालम

छलमारु मसीरुलकीलनऊगननाथरुयदा ना॥ १॥ गोका नाग
 धीयाल ऊवसालयालदवयनमामिदुगमलाकम्वलदव २ गोका
 गोवधुदगयलिकमलाया सुवयनीरुदामनीनलडदव॥ ॥ ३॥
 कमलविठुकासीनवाधियालवामकमलधलहाथ २ रुकमुमल
 नंनंलागककुरुकदालीडइवरुयदलना २॥ ॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥

[illegible]

नमामि मङ्गलं श्रीयमनृत्यसुता २ मयल आसाय लोय लो गडधालि
 ॥ ॐ ॥ ददिन श्रीगणपति विवा मणी मदां कलं २ म गणमं धुलमा २
 यदली ग रू गा ॥ ॐ ॥ शुद्धि संदल लाया विष्ट विद्या यिमा २ शुद्ध
 वृत्त यवदुष्टाधिहली गदलना ॥ ॐ ॥ वदधुयसादिलदा म
 रनयीया २ गुल वलन माल सीद्धि वल पुसादा ॥ ॐ ॥ ॐ ॐ ॐ

३१
 ३२
 ३३

(यमलली व १ डलं गा रुलनशीली गगन सा रा ॐ वृ नील ह निया
 मनेक मा ॥ ॐ ॥ जगदनुकं यकृया युनदवी २ ह रु माल विना सनि
 दवी ॥ ॐ ॥ लकलायनशीली न धुमाला २ ख रु कलिकपालनीला
 यलं ॥ ॐ ॥ शायुवमवसु यला ला २ २ ख वल नवीदल सर्वो का
 ना ॥ ॐ ॥ वलन मलन श्री डय गाल नीमा गा २ रुनयी शु मा

